Regarding illegal mining of stones in Uttarakhand causing environmental risk

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत (हरिद्वार): महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । यह मुद्दा उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधम सिंह नगर जिलों में रात के समय अवैध रूप से संचालित हो रहे खनन ट्रकों से संबंधित है । यह मुद्दा न केवल कानून और पर्यावरण सुरक्षा के लिए खतरा बनता जा रहा है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है ।

महोदय, यह देखा गया है कि राज्य सरकार और प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, खनन माफिया द्वारा रात के समय ट्रकों का अवैध संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा है । इन ट्रकों में भारी मात्रा में ओवरलोडिंग की जाती है और बिना किसी वैध अनुमति के खनिजों का परिवहन किया जाता है । इन अवैध गतिविधियों के कारण राज्य में सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को भारी क्षति हो रही है, जिससे आम नागरिकों के लिए आवागमन कठिन हो गया है । सबसे अधिक चिंताजनक बात यह है कि इन ट्रकों के लापरवाह और तेज गति से संचालन के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है । कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, और कई घायल हुए हैं । ट्रक चालकों द्वारा ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, नशे की हालत में वाहन चलाना और स्थानीय प्रशासन से मिलीभगत के चलते स्थिति और भी भयावह होती जा रही है ।

महोदय, यह आवश्यक है कि सरकार तत्काल इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान दे और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे । मैं केंद्र सरकार और उत्तराखंड राज्य प्रशासन से यह आग्रह करता हूं कि अवैध खनन गतिविधियों को रोकने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए । रात के समय ट्रकों के संचालन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए और सख्ती से उसकी निगरानी की जाए । ओवरलोडिंग रोकने हेतु सभी मुख्य मार्गों पर चेक पोस्ट लगाए जाएं और दोषी ट्रक मालिकों और खनन माफियाओं पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए । इस मामले में संलिप्त अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और लापरवाही बरतने वालों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए । धन्यवाद । ? (व्यवधान)